# पाठ - मुफ़्त ही मुफ़्त (गुजराती लोककथा)

**कठिन शब्द -**

- मुफ़्त
- शक्कर
- कंधे उचकाकर
- खर्च
- कंजूस
- घुरघुराते
- बटाटा
- ताका
- दम
- हर्ज
- माली
- दुहाई

**शब्दार्थ -**

1. मुफ़्त - बिना पैसे के
2. कसा हुआ - बंधा हुआ (Tight)
3. शक्कर - चीनी
4. समस्या - परेशानी, मुश्किल
5. कंधे उचकाकर - कंधे उठाकर
6. खर्च - खर्चा, लागत, धन आदि का किसी कार्य में लगना
7. कंजूस - जो धन का प्रयोग जरुरत आने पर न करे
8. ललचाया - लालच करना, इच्छा करना
9. दाम - कीमत, मूल्य
10. घुरघुराते - धीरे से आवाज करना
11. बटाटा - आलू
12. ताका - देखना, टकटकी लगाना
13. शू छे भाई? - क्या बात है भाई?
14. दम - सांस, शक्ति

egyanarchive

15.हर्ज - नुकसान
16.माली - बगीचे की देखरेख करने वाला
17.विनती - अनुरोध, प्रार्थना
18.साम्भ्लो छो! - संभालो!
19.दुहाई - मदद की पुकार
20.कोलाहल - शोरगुल
21.हक्के - बक्के रह गए-हैरान रह गए
22.किस्मत - भाग्य
23.मेहरबानी - कृपा

**तुम्हारी समझ**

(क) हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे। क्यों?

**उत्तर**- हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे क्योंकि वे बहुत ज्यादा कंजूस थे।

(ख) हर जगह नारियल के दाम में फर्क क्यों था?

**उत्तर**- जहाँ नारियल की खेती होती है वहाँ अर्थात् नारियल के बगीचे में नारियल सबसे सस्ता मिलेगा। बाजार तक जाने में उसकी कीमत बढ़ती जाती है और बाजार में पहुँचते ही उसकी कीमत सबसे अधिक हो जाती है।

(ग) क्या भीखूभाई को नारियल सच में मुफ्त में मिला? क्यों?

**उत्तर**- नहीं, भीखूभाई को नारियल मुफ्त में नहीं मिला। इसे पाने के लिए उन्हें बहुत दूर पैदल जाना पड़ा, धूप में पसीना बहाना पड़ा और अंत में तो वह नारियल के पेड़ से गिर पड़े और उनके सिर पर एक बड़ा नारियल आ फूटी।

(घ) वे खेत में बूढ़े बरगद के नीचे बैठ गए। तुम्हारे विचार से कहानी में बरगद को बूढ़ा क्यों कहा गया होगा?

**उत्तर**- बरगद का पेड़ बहुत सालों से अस्तित्व में होगा। इसीलिए उसे बूढ़ा कहा गया है।

**भीखूभाई ऐसे थे**

कहानी को पढ़कर तुम भीखूभाई के बारे में काफी कुछ जान गए होगे। भीखूभाई के बारे में कुछ बातें बताओ।

**उत्तर**-

(क) उन्हें खाने-पीने का शौक था।

(ख) वे बड़े कंजूस थे।

(ग) उन्हें नारियल बहुत पसंद था।

egyanarchive

(घ) वे कम-से-कम पैसों में नारियल पाना चाहते थे।

(ङ) वे बातें बनाने में बड़े होशियार थे।

**क्या बढ़ा, क्या घटा**

कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, कुछ चीजें बढ़ती हैं और कुछ घटती हैं। बताओ इनका क्या हुआ, ये घटे या बढ़े?

**उत्तर**-

| | |
|---|---|
| नारियल का दाम | घटा |
| भीखूभाई का लालच | बढ़ा |
| रास्ते की लंबाई | बढ़ी |
| भीखूभाई की थकान | बढ़ी |

**कहो कहानी**

यदि इस कहानी में भीखूभाई को नारियल नहीं बल्कि आम खाने की इच्छा होती तो कहानी आगे कैसे बढ़ती? बताओ।

उत्तर-

यदि इस कहानी में भीखूभाई को नारियल नहीं बल्कि आम खाने की इच्छा होती तो कहानी आगे इस तरह बढ़ सकती थी:

**1. आम की खोज:**

- भीखूभाई बाजार में आम की तलाश में जाते हैं।
- उन्हें एक आमवाला मिलता है जो एक आम को दो रुपये में बेच रहा होता है।
- भीखूभाई को यह दाम बहुत ज्यादा लगता है।
- वे मंडी, नाव वाले और माली से भी आम खरीदने की कोशिश करते हैं, लेकिन हर जगह उन्हें दाम ज्यादा लगते हैं।

**2. आम का पेड़:**

- अंत में, भीखूभाई एक आम के पेड़ के पास पहुंचते हैं।
- वे माली से पूछते हैं कि क्या वे मुफ्त में आम तोड़ सकते हैं।
- माली उन्हें अनुमति देता है।
- भीखूभाई पेड़ पर चढ़ते हैं और एक आम तोड़ने की कोशिश करते हैं।

**3. मुसीबत:**

- तभी, उनके पैर फिसल जाते हैं और वे लटक जाते हैं।
- वे माली से मदद मांगते हैं, लेकिन माली मना कर देता है।
- ऊँटवाला, घुड़सवार और अन्य लोग भीखूभाई को बचाने के लिए आगे आते हैं।

egyanarchive

- वे भीखूभाई को सौ, दो सौ रुपये का लालच देते हैं।
- भीखूभाई खुशी में अपनी बाहें फैला देते हैं और आम उनके हाथ से छूट जाता है।

**4. परिणाम:**

- आम नीचे गिरकर भीखूभाई के सिर पर आ फूटता है।
- कहानी का अंत भीखूभाई की मुसीबत और लालच के नकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डालता है।

**बात की बात**

कहानी में नारियल वाले और भीखूभाई की बातचीत फिर से पढ़ो। अब इसे अपने घर की बोली में लिखो।

**उत्तर**-

- अरे भाई नारियल वाले, कितने का है एक नारियल ?
- बस दो रुपए में अंकल जी।।
- बहुत ज्यादा बता रहे हो। एक रुपए में देना है तो दे दो।
- अरे नहीं अंकल जी। एक रुपए में लेना है तो मंडी चले जाओ।
- कहाँ है मंडी?
- यहाँ से थोड़ी दूर।
- ठीक है वहीं जाता हूँ।

**शब्दों की बात**

नाना-नानी – पतीली-पतीला

ऊपर दिए गए उदाहरणों की मदद से नीचे दी गई जगह में सही शब्द लिखो।

**उत्तर**-

| | | | |
|---|---|---|---|
| काका | काकी | दर्जी | दर्जिन |
| मालिन | माली | टोकरी | टोकरा |
| मटका | मटकी | गद्दा | गद्दी |

**मंडी**

मंडी में कोलाहल फैला हुआ था। व्यापारियों की ऊँची-ऊँची आवाजें पूँज रही थीं।"

(क) मंडी में क्या-क्या बिक रहा होगा?

(ख) मंडी में तरह-तरह की आवाजें सुनाई देती हैं।

eduvanarchive

जैसे-ताज़ा टमाटर! बीस रुपया! बीस रुपया! बीस रुपया! मंडी में और कैसी आवाजें सुनाई देती हैं?

**उत्तर**-

(क) मंडी में आलू, टमाटर, मटर, शिमला मिर्च, बंदगोभी, गाजर, कांदा, प्याज आदि सब्जियाँ बिक रही होंगी।

(ख)

- दस रुपये में डेढ़ किलो आलू भरो।
- भेलपूड़ी खाओ।
- रंग-बिरंगे गुब्बारे ले लो।

(ग) क्या तुम अपने आसपास की ऐसी जगह सोच सकते हो, जहाँ बहुत शोर होता है। उस जगह के बारे में लिखो।।

**उत्तर**- मेरे घर के नजदीक भवन-निर्माण कार्य चल रहा है। वहाँ से तरह-तरह की कर्कश आवाजें आती रहती हैं-कभी ड्रिलिंग की, कभी पत्थर घिसाई की, कभी ट्रैक्टर की, कभी भारी चीजें उठाते हुए श्रमिकों की जोर की आवाज।

**गुजरात की झलक**

(क) "मुफ्त ही मुफ्त' गुजरात की लोककथा है। इस लोककथा के चित्रों में ऐसी कौन सी बातें हैं जिनसे तुम यह अंदाज़ा लगा सकते हो?

**उत्तर**-

इस लोककथा के चित्रों में भीखूभाई का पहनावा दिखाया गया है। मंडी में बिक रही चीजें जैसे बटाटा, आलू, कांदा आदि से पता चलता है कि यह कथा गुजराती है। पुरुष के नाम के साथ 'भाई' और महिला के नाम के साथ 'बेन' लगा हुआ है। इससे भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह गुजरात की लोककथा है।

(ख) गुजरात में किसी का आदर करने के लिए नाम के साथ भाई, बेन (बहन) जैसे शब्दों का प्रयोग होता है। तेलुगु में नाम के आगे 'गारू' और हिंदी में 'जी' जोड़ा जाता है। तुम्हारी कक्षा में भी अलग-अलग भाषा बोलने वाले बच्चे होंगे! पता करो और लिखो कि वे अपनी भाषा में किसी को आदर देने के लिए किन-किन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।

**उत्तर**- विभिन्न भाषाओं में किसी का आदर करने के शब्द

1. **हिंदी:**
    - जी (उदाहरण: रवि जी)
    - श्री/श्रीमती (उदाहरण: श्री रवि, श्रीमती रीमा)
    - आप (उदाहरण: आप कैसे हैं?)
    - महोदय/महोदया (उदाहरण: माननीय महोदय)
2. **गुजराती:**
    - भाई (उदाहरण: रवि भाई)

egyanarchive

- बेन (उदाहरण: रीमा बेन)

3. **तेलुगु:**
    - गारू (उदाहरण: रवि गारू)
4. **बंगाली:**
    - दा (उदाहरण: रवि दा)
    - दी (उदाहरण: रीमा दी)
5. **मराठी:**
    - काका (उदाहरण: रवि काका)
    - ताई (उदाहरण: रीमा ताई)
6. **तमिल:**
    - अय्या (उदाहरण: रवि अय्या)
    - अम्मा (उदाहरण: रीमा अम्मा)

egyanarchive